website.- https://crimepatrol.live

सांध्य दैनिक

क्राइम पेट्रोल

वर्ष: 19 अंक: 328 देहरादून, शुक्रवार, 06 मार्च, 2026 | crimepatrol09@gmail.com | (RNI No. UTTHIN/2005/16772) पृष्ठ: 8 मूल्य: 1 रूपये

टिहरी झील महोत्सव का आगाज मुख्यमंत्री धामी ने किया शुभारंभ

चार दिवसीय टिहरी झील महोत्सव, पर्यटन को मिलेगी नई ऊंचाई

अरुन शर्मा

टिहरी। चार दिवसीय टिहरी झील महोत्सव का आगाज हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी महोत्सव का शुभारंभ किया। चार दिवसीय टिहरी झील महोत्सव का कोटी कालोनी में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उद्घाटन किया। टिहरी झील में 6 से 9 मार्च तक आयोजित लेक फेस्टिवल पर्यटन को नई ऊंचाई देगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए उत्तराखंड पयर्टन विकास परिषद व जिला प्रशासन ने कमर कसी हुई है।

चार दिन तक आयोजित होने वाले फेस्टिवल में विभिन्न तरह की गतिविधियां आयोजित की जाएगी। फेस्टिवल का उद्देश्य टिहरी जिले को प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनाते हुए, स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन करना है। उन्होंने बताया कि इस दौरान ट्रैकिंग, माउंटेन बाइकिंग, रॉक क्लाइंबिंग, राफ्टिंग जैसी साहसिक गतिविधियों के साथ ही स्थानीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, मास्टर शेफ प्रतियोगिता, लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए फैशन शो, फोटोग्राफी जैसी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

आयोजन के दौरान अलग- अलग स्थानों पर मास्टर शेफ, फोटोग्राफी, पेटिंग, सोशल मीडिया रील, ग्रुप फैशन शो, मिस्टर एंड मिस टिहरी, राफ्टिंग, रैप सिंगिग प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। जिसमें प्रथम विजेता एक लाख रुपए तक का पुरस्कार जीत सकता है, इसी तरह दूसरे स्थान का विजेता 50 हजार, तीसरे स्थान का विजेता 25 हजार रुपए का पुरस्कार जीत सकता है, इसके साथ ही पांच- पांच हजार के 10 सांत्वना सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

उत्तराखंड से लौटने लगे प्रवासी पक्षी, औली झील और अलकनंदा बैराज में दिखा नॉर्दन पिनटेल का जोड़ा

देहरादून। उत्तराखंड में बढ़ते तापमान के कारण मौसम गर्म होने पर देहरादून आसन,झिलमिल साइट में शीतकालीन प्रवास पर आए शीतकालीन आगंतुक प्रवासी पक्षियों की कई प्रजातियों के पक्षी अपना प्रवास खत्म करते हुए अब अपने वतन के लिए उड़ान भरने लगे हैं, इस दौरान इन प्रवासी मेहमान पक्षियों को चमोली जनपद के औली कृत्रिम झील,अलकनंदा बैराज साईट लामबगड़ बद्रीनाथ छेत्र में भी ऑब्जर्व किया गया है, छक्ठत छेत्र के पक्षी अवलोकन एक्सपर्ट संजय कुंवर ने बताया कि शीतकालीन आगंतुक प्रवासी नॉर्दन पिन टेल पक्षी इन दिनों अपने समर डेस्टिनेशन को लौट रहे हैं। इस दौरान अपने उड़ान रूट के मध्य पढ़ने वाले पसंदीदा स्थलों पर भी कुछ पल ये मेहमान पक्षी जल बिहार कर सफर की थकान दूर करते नजर आ रहे हैं, इस बार नॉर्दन पिन टेल पक्षी को वतन वापसी के दौरान औली की कृत्रिम झील में भी ऑब्जर्व किया गया है, जिसको लेकर पक्षी प्रेमियों ने खुशी जताई है।

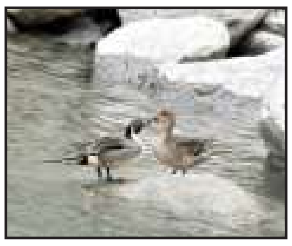

आप इन तस्वीरों में देख सकते हैं ज्योतिर्मठ के अलकनंदा बैराज लामबगड़ छेत्र में अपने साथी संग प्रेम समर्पण भाव दिखाते हुए प्रवासी शीतकालीन आगंतुक पक्षी नॉर्दन पिन टेल का जोड़ा, पक्षी प्रजाति में विशेष रूप से इस तरह का समर्पण प्रेम भाव का उदाहरण है,ये दुर्लभ तस्वीर गोविंद घाट रेंज की वन छेत्र अधिकारी चेतना काण्डपाल द्वारा अपनी साईट विजिट के दौरान अपने कैमरे में कैद की है, जिसमें एक विदेशी मेहमान पक्षी नॉर्दन पिन टेल का जोड़ा प्रेमालाप के साथ जल विहार करते नजर आ रहा है। दरअसल पहाड़ी इलाकों में हुई अच्छी बर्फबारी और बारिश के चलते मौसम अब अनुकूल होने पर अब ये परिंदे अपना शीतकालीन प्रवास पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं लेकिन इन दिनों बढ़ती तपिश और दिन में मौसम ज्यादा गर्म होने के कारण कई प्रवासी पक्षी इस बार समय से पूर्व ही वतन वापसी कर रहे हैं। जो अप्रैल माह में वतन वापसी करते है। नन्दा देवी राष्ट्रीय पार्क के अंतर्गत गोविंद घाट रेंज वन प्रभाग की वन छेत्र अधिकारी चेतना काण्डपाल ने भी बद्रीनाथ लाम बगड़ छेत्र भ्रमण के दौरान अलकनंदा बैराज के समीप इन खूबसूरत प्रवासी मेहमान नॉर्दन पिन टेल पक्षी के जोड़े को जल बिहार करते हुए अपने कैमरे में कैद किया है।

इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती टूटने से आहत किशोर ने फांसी लगाई

गदरपुर। खबर गदरपुर से इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती प्यार में बदली, लेकिन कथित तौर पर रिश्ता टूटने से आहत होकर एक 17 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। गदरपुर के थाना दिनेशपुर क्षेत्र के कलीनगर गांव में उस समय हड़कंप मच गया, जब 17 वर्षीय अनुज राठौर ने अपने ही घर में पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि अनुज की कुछ समय पहले इंस्टाग्राम के माध्यम से एक युवती से दोस्ती हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और यह दोस्ती प्यार में बदल गई। परिजनों के अनुसार हाल ही में युवती द्वारा कथित रूप से रिश्ता तोड़ने और बातचीत बंद कर देने के कारण अनुज काफी मानसिक तनाव में रहने लगा था। इसी तनाव के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। अनुज राठौर अपने परिवार में पांच भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। बेटे की अचानक मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पूरे गांव में शोक का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही दिनेशपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। यह घटना एक गंभीर चेतावनी है। किशोरावस्था में बच्चों को भावनात्मक सहयोग, मार्गदर्शन और परामर्श देना बेहद जरूरी है, ताकि इस तरह की दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

234 प्रवक्ताओं की दिव्यांगता की एम्स ऋषिकेश करेगा जांच

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

ऋषिकेश। शिक्षा विभाग में दिव्यांग कोटे से भर्ती सभी 234 प्रवक्ताओं की दिव्यांगता की जांच होगी। मेडिकल बोर्ड, एम्स ऋषिकेश में कल से अलग-अलग तिथियों पर पहुंचने के निर्देश जारी। शिक्षा विभाग में राज्य गठन से लेकर अब तक दिव्यांग कोटे से भर्ती सभी 234 प्रवक्ताओं की दिव्यांगता की जांच होगी। मेडिकल बोर्ड एम्स ऋषिकेश सात मार्च से जांच शुरू करेगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. मुकुल कुमार सती ने सभी मुख्य शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किये हैं।

शिक्षा निदेशक ने निर्देश में कहा कि उत्तराखंड में प्रवक्ता संवर्ग में राज्य गठन से अब तक दिव्यांग कोटे से नियुक्त प्रव. क्ताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाना है। चिकित्सा बोर्ड की ओर से निर्णय लिया गया है कि शिक्षकों का स्वास्थ्य परीक्षण सप्ताह में दो दिन बृहस्पतिवार और शनिवार को सुबह नौ से अपराह्न तीन बजे तक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स ऋषिकेश में किया जाएगा। सात मार्च को दिव्यांग कोटे से भर्ती 50 शिक्षकों के स्वास्थ्य की जांच होगी। इसके बाद क्रमश: 12 मार्च, 14 मार्च, 28 मार्च एवं दो अप्रैल को प्रवक्ताओं के स्वास्थ्य की जांच होगी। निर्देश में कहा गया है कि सभी सीईओ को दिव्यांग कोटे से भर्ती शिक्षकों की सूची भेजी गई है। सूची में शामिल शिक्षकों को इसकी जानकारी दी जाए। जांच के लिए तय तिथि को उपस्थित न होने वाले शिक्षकों के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की जाएगी।

यह है प्रकरण: शिक्षा विभाग में कुछ शिक्षक दिव्यांगता के फर्जी प्रमाणपत्र से नौकरी पा गए हैं। शिक्षा विभाग ने इन शिक्षकों को नोटिस जारी किए थे। प्रकरण तब सामने आया जब नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड की ओर से हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई। इस याि. चका के आधार पर वर्ष 2022 में राज्य मेडिकल बोर्ड की ओर से कुछ शिक्षकों के दिव्यांगता के प्रमाणपत्रों की जांच की गई और फर्जी पाया गया। इस पर शिक्षा वि. भाग को इन शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए, लेकिन मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

चारधाम यात्रा: अब 50 दिन से भी कम समय शेष, 6500 पुलिसकर्मी होंगे तैनात

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

देहरादून। गढ़वाल कमिश्नर और आईजी गढ़वाल ने चारधाम यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया। पिछले वर्षों की यात्राओं के अनुभवों को शामिल करते हुए छोटे से छोटे हर बिंदु पर काम किया जा रहा है। ताकि इस वर्ष यात्रा और सुगम हो। चारधाम यात्रा शुरू होने में 50 दिन से भी कम समय बचा है। शासन-प्रशासन स्तर पर इसकी तैयारियां तेजी से चल रही हैं। यात्रा मार्ग में 6500 पुलिसकर्मी तैनात होंगे। पूरे मार्ग को 10-10 किलोमीटर के सेक्टर में बांटा जाएगा।

गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे और आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने यात्रा मार्ग का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं परखीं हैं। उसी आधार पर आगे की कार्ययोजना पर काम किया जा रहा है। आईजी गढ़वाल ने बताया कि अप्रैल में शुरू होने वाली यात्रा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस संबंध में गढ़वाल कमिश्नर की अध्यक्षता में बैठक भी हुई है। सभी विभागों की जिम्मेदारी तय कर दी गई है।

सीसीटीवी और एनपीआर कैमरे लगाए गए- पुलिस चप्पे-चप्पे पर सख्त सुरक्षा व्यवस्था बनाने के लिए बारीकी से योजना बना रही है। पिछले वर्षों की यात्राओं के अनुभवों को शामिल करते हुए छोटे से छोटे हर बिंदु पर काम किया जा रहा है। बाकी विभागों के साथ समन्वय किया जा रहा है। गढ़वाल कमिश्नर ने बताया कि 31 मार्च

तक सभी व्यवस्थाएं पूरी करने की समयसीमा तय की गई है। सभी विभागों को इसी हिसाब से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। पंजीकरण करवाकर चारधाम यात्रा में आने वाले लोगों को उनके मोबाइल नंबर पर संदेश के जरिये रूट डायवर्जन और खराब मौसम की जानकारी दी जाएगी। आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने बताया कि पिछले साल भी इस तरह की व्यवस्था की गई थी जो कारगर रही थी। इसलिए इस साल भी लोगों को पहले ही संदेश भेज दिए जाएंगे ताकि वो अपनी यात्रा उसी हिसाब से प्लान करें। सभी धामों में सुरक्षा व्यवस्था बनाने और भीड़ के सही अनुमान के लिए सीसीटीवी और एनपीआर कैमरे लगाए गए हैं।

भीड़ नियंत्रण का अलग प्लान- राजीव स्वरूप ने बताया कि आगामी यात्रा सीजन में बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद है। इसलिए भीड़ नियंत्रण के लिए अलग से कार्ययोजना बनाई जा रही है। हर जिले में भीड़ नियंत्रण का अलग-अलग प्लान होगा। जिला पुलिस उस पर काम करेगी। पहाड़ों में भीड़ बढ़ने पर बाहर से आने वाले यात्रियों को हरिद्वार, देहरादून और ऋषिकेश जैसे स्थानों पर रोका जाएगा। यहां उनके रुकने, खाने आदि की व्यवस्थाएं रहेंगी। उन्होंने बताया कि भीड़ नियंत्रण के लिए एसओपी तैयार की गई है। सभी धामों की क्षमता और लोगों की मौजूदगी के संदर्भ में वैज्ञानिक अध्ययन किए गए हैं। उसी हिसाब से यात्रा का संचालन और रजिस्ट्रेशन किया जाता है। भीड़ ज्यादा बढ़ने पर यात्रा रोकने और डायवर्ट करने की भी योजनाएं बनाई गई हैं।

एक नजर

देहरादून में हेल्थ व फिटनेस जागरूकता सेमिनार आयोजित

देहरादून। देहरादून में चरदीकला वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से वसंत विहार स्थित Muscle Factory Gym में हेल्थ और फिटनेस जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में फिटनेस एक्सपर्ट व मोटिवेशनल स्पीकर तेजिंदर सिंह बॉबी शामिल हुए। इस अवसर पर तेजिंदर सिंह बॉबी ने कहा, "ताकत वही जो सेहत के साथ हो, जीत वही जो जीवनभर साथ हो।" उन्होंने युवाओं से नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, नशे से दूरी और विशेषज्ञ की सही सलाह लेने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि फिटनेस केवल बाहरी रूप-रंग नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का हिस्सा है, जो शरीर और मन दोनों को मजबूत बनाती है।कार्यक्रम में फाउंडेशन के डायरेक्टर आस्तीक थपलियाल सहित अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

लोकगायिका रिंकू राणा के निधन पर सीएम ने दुख व्यक्त किया

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने थारू जनजाति की प्रसिद्ध लोकगायिका रिंकू राणा की सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन होने पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक सन्देश में कहा कि लोकसंस्कृति और लोकसंगीत के संरक्षण में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। लोकगायिका रिंकू राणा ने अपने गीतों के माध्यम से थारू समाज की समृद्ध परंपराओं और संस्कृति को व्यापक पहचान दिलाई है। मुख्यमंत्री ने पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजनों एवं उनके प्रशंसकों को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

नदी में तैरता मिला हाथी के बच्चे का शव

नैनीताल। वन प्रभाग रामनगर के अंतर्गत आने वाले अपर कोसी बीट रिंगोड़ा क्षेत्र में कोसी नदी में एक महीने के हाथी के बच्चे का शव तैरता हुआ मिला। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए रामनगर लाया गया। प्रारंभिक जांच में हाथी के बच्चे के शरीर पर टाइगर के पंजों के निशान पाए गए हैं, जिससे वन विभाग टाइगर के हमले की आशंका जता रहा है। रामनगर वन प्रभाग के अंतर्गत पड़ने वाले अपर कोसी बीट रिंगोड़ा क्षेत्र में कोसी नदी में एक महीने के हाथी के बच्चे का शव मिला। स्थानीय लोगों द्वारा नदी में शव तैरते हुए देखे जाने के बाद इसकी सूचना तुरंत वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही रामनगर रेंज के रेंज अधिकारी शेखर तिवारी वनकर्मियों की टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

नंदा देवी राज जात के वैश्विक प्रचार-प्रसार के लिए सरकार को भेजा प्रस्ताव

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

मसूरी। बहुभाषाविद्, शिक्षाविद् व समाजसेवी धर्म सिंह फरस्वॉण की दूरदर्शी, दूरगामी बहुउददेशीय व सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय सोच को लेकर मॉ नंदा देवी राज जात के एवं अंतरराष्ट्रीय डॉक्यूमेंट्री निर्माण हेतु उत्तराखंड सरकार को प्रस्ताव भेजा। उनका कहना है कि इस दिव्य महायात्रा का आयोजन वैश्विक मानकों के अनुरूप भव्य, सुव्यवस्थित एवं दूरदर्शी योजना के साथ किया जाना चाहिए, ताकि इसकी आध्यात्मिक गरिमा, सांस्कृतिक वैभव और हिमालयी परंपराओं की विशिष्टता विश्व समुदाय के समक्ष प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत हो सके।

सेंट जार्ज कालेज के शिक्षक रहे बहु भाषा एवं शिक्षाविद, धर्म सिंह फरस्वांण ने बताया कि नंदा देवी राजजात के लिए विभिन्न देशों के दूतावासों, अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों, विश्व के प्रमुख समाचार चौनलों एवं मीडिया प्रतिनिधियों को औपचारिक आमंत्रण भेजा जाए। साथ ही साथ इस यात्रा पर डॉक्यूमेंट्री निर्माण करें, तो उत्तराखंड की बोली-भाषा, संस्कृति, खान-पान, पर्यटन स्थलों एवं प्राकृ. तिक धरोहर का व्यापक वैश्विक प्रचार संभव होगा। यात्रा की झलक विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में तैयार कर डिजिटल एवं प्रसारण माध्यमों से साझा की जाए। प्रदेश की पर्यटन गाइड बहुभाषीय रूप में प्रकाशित कर वैश्विक दर्शकों तक पहुँच बनाई जाए। उत्तराखंड की जड़ी-बूटियों, वन-संपदा, लोकसंस्कृति, पर्वतीय कृषि, जल-स्रोतों एवं हिमालयी जैव विविधता पर अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं को प्रेरित व प्रोत. साहित किया जाए। इसके दूरगामी उददेश्यों से प्रदेश ही नही देश में नए रोजगार अवसरों का सृजन संभव है। अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। रिवर्स पलायन को प्रोत. साहन मिलेगा। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार के लिए हो रहे पलायन पर सकारात्मक

प्रभाव पड़ सकता है। सुसंगठित प्रबंधन, आधुनिक तकनीक, अंतरराष्ट्रीय प्रचार-प्रसार और पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए यदि इस आयोजन को रूपायित किया जाए, तो यह न केवल उत्तराखंड बल्कि संपूर्ण भारत की सांस्कृतिक प्रतिष्ठा को वैश्विक मंच पर नई ऊँचाई प्रदान कर सकता है। एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, दून विश्वविद्यालय तथा गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सहित अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों के माध्यम से शैक्षिक उत्तराखंड की जड़ी-बूटियों, वन-संपदा, लोकसंस्कृति, पर्वतीय कृषि, जल-स्रोतों एवं हिमालयी जैव विविधता पर अंतरराष्ट्रीय शोध को प्रोत्साहित किया जाए। इसके साथ ही सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम प्रारंभ किए जाएँ। हमें पर्यटन एवं पारंपरिक ज्ञान पर संयुक्त परियोजनाएँ चलाने की अतिआवश्कता है। मां नंदा देवी की विश्व प्रसिद्ध यात्रा नंदा नगर के कुरूड गॉव से घ्प्रारम्भ होती है। मां नंदा देवी राजजात, जिसे 'हिमालयी महाकुंभ' के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त है, आस्था, संस्कृति, लो. कपरंपरा और प्रकृति का अनुपम संगम है। यह केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक अस्मिता और आध्यात्मिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। ऐशिया की सबसे लम्बी पैदल धार्मिक यात्रा होती है। धर्म सिंह फरस्वॉण व बीएन पुरोहित, पूर्व राज्यपाल व पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोशियारी से अनुरोध किया कि मुख्य मंत्री पुष्कर सिंह धामी व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा महेंद्र भटट को वार्ता करने की प्रयास करें। इसके बाद इस प्रस्ताव को मॉ भगवती के पुजारी अशोक गौड़, धर्म सिंह फरस्वॉण , सुरजीत सिंह व सेवानिर्वित कर्नल हरेन्द्र सिंह रावत ने इस प्रस्ताव को मुख्यमंत्री के साथ विचार के लिए थराली विधानसभा के विद्यायक भोपाल राम टम्टा, कर्णप्रयाग विधायक अनिल नोटियाल से भी अनुरोध किया कि इस प्रस्ताव को मुख्य मंत्री तक पहुॅचाने में सहयोग करें।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उत्तराखंड में कई जगहों पर आयोजित होंगी महिला खेल प्रतियोगिताएं

देहरादून। खेल जगत में मर्ि. हलाओं को सम्मानित करने की एक अनूठी पहल के तहत, केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय के अस्मिता (सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है और इसका उद्देश्य देश भर में महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना तथा उन्हें खेलने के लिए बढ़ावा देना है) कार्यक्रम के अंतर्गत 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय मर्ि. हला दिवस के उपलक्ष्य में 250 स्थानों पर एक विशाल राष्ट्रव्यापी एथलेटिक्स लीग

का आयोजन किया जाएगा। मेरा युवा भारत, पौड़ी गढ़वाल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इंटर कॉलेज मोटाढ़ाक में अस्मिता एथलेटिक्स लीग का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को खेलों के माध्यम से सशक्त बनाना तथा उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक मंच प्रदान करना है। उपनिदेशक शैलेश भट्ट ने कहा- अस्मिता, खेलों इंडिया के लैंगिक समानता मिशन का हिस्सा है। जिसका उद्देश्य देशभर में महिलाओं की खेलों में भागीदारी बढ़ाना और नई प्रतिभाओं की पहचान करना है। पौड़ी गढ़वाल के एवं मुख्यता कोटद्वार नगर के आस पास के युवा मंडलों, शैक्षणिक संस्थानों आदि से लगभग 1000 बालिकाओं एवं महिलाओं का प्रतिभाग करना प्रस्तावित है।

देशभर में 250 स्थानों पर एथलेटिक्स (100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर) की दौड़ की प्रतियोगिताएं होंगी और इनमें अंडर-13, 13-18 वर्ष और 18+ आयु वर्ग शामिल होंगे। प्रत्येक आयोजन स्थल पर पांच तकनीकी अधिकारी, 10 स्वयंसेवक, एक प्रतियोगिता प्रबंधक, एक पीसीए (पूर्व चौंपियन एथलीट) और जिला युवा अधि कारी तैनात रहेंगे। उम्मीद है कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक ही दिन में रिकॉर्ड 2,50,000 महिलाएं भाग लेंगी। मेरा युवा भारत, रुद्रप्रयाग के उपनिदेशक राहुल डबराल ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु रुद्रप्रयाग जिले के अगस्तमुनी में महिला प्रतिभागियों से कार्यक्रम को सफल बनाने और अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की। मेरा युवा भारत, देहरादून के उपनिदेशक मोनिका नांदल ने कहा- परेड ग्राउंड देहरादून में महिला खेल प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रत्येक आयु वर्ग में 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर दौड़ आयोजित होंगी। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराना है। वे mybharat.gov.in पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन पूरा करें।

आपकी आवाज

प्रिय पाठकों

आप अपने क्षेत्र में भ्रष्टाचार, जनहित से जुड़ी अनेकों समस्याओं से अवगत होते हैं। इसके लिए आवाज भी उठाते हैं, लेकिन भ्रष्टाचार व काला-बाजारी के इस युग में आपकी आवाज यदि कहीं दबकर रह जाती है। क्राइम पेट्रोल आपके साथ मिलकर आपकी आवाज उठाएगा। आप कोई जानकारी व समाचार समेत किसी भी प्रकार की कोई सूचना हमें देना चाहते हैं, तो आपके सुझाव आमंत्रित हैं। भ्रष्टाचार को मिटाने की इस मुहिम में हम आपके साथ हैं। आपकी पहचान गुप्त रखी जाएगी। हमें संपर्क करें।

क्राइम पेट्रोल लाइव:

प्रवीन भारद्वाज- 9837625470

डीएवीपी (भारत सरकार) द्वारा विज्ञापन के लिए मान्यता प्राप्त

आर.एन.आई. रजि. नं० UTTHIN/2005/16772

डाक पंजी० नं० UA/0/DDN/609/2011-13

दूरभाष : 9837625470

ई-मेल: crimepatrol2011@gmail.com

visit:- https://crimepatrol.live

अमृत 2.0 के अंतर्गत जल संरक्षण व पुनर्भरण की परियोजनाओं को मंजूरी

कृष्ण कुमार

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में अमृत 2.0 के अंतर्गत गठित हाई पावर कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहरी क्षेत्रों में जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा भू-जल पुनर्भरण को सुदृढ़ बनाने से संबंधित विभिन्न योजनाओं पर विचार-विमर्श करते हुए उन्हें अनुमोदन प्रदान किया गया।

बैठक में लघु सिंचाई विभाग, नैनीताल की योजनाओं के अंतर्गत हल्द्वानी व नैनीताल क्षेत्र में जल पुनर्भरण संरचनाओं के विकास तथा पार्कों के सौंदर्यीकरण से संबंधित कार्यों को स्वीकृति दी गई। इनमें हरिहर कॉलोनी हल्द्वानी, विश्वविद्यालय हल्द्वानी, उषा रूपक कॉलोनी नैनीताल तथा सुदर्शन कॉलोनी हल्द्वानी में जल पुनर्भरण के विकास एवं पार्कों के सौंदर्यीकरण के कार्य शामिल हैं। इसी प्रकार लघु सिंचाई विभाग, हरिद्वार की योजनाओं के अंतर्गत बहादराबाद में वर्षा जल संचयन के तहत रिचार्ज शाफ्ट की स्थापना, रामधाम कॉलोनी पार्क शिवालिक नगर में संचयनित जल से भू-जल पुनर्भरण हेतु रिचार्ज शाफ्ट का निर्माण तथा राजलोक कॉलोनी पार्क नगर निगम हरिद्वार में भू-जल रिचार्ज से संबंधित परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में नगर पंचायत इमलीखेड़ा (हरिद्वार) द्वारा रांगड़वाला में स्थित तालाब के रेनोवेशन की योजना को भी मंजूरी दी गई। इसके अतिरिक्त लघु सिंचाई विभाग, देहरादून की योजनाओं के अंतर्गत नवादा क्षेत्र में तालाब के नवीनीकरण एवं रिचार्ज शाफ्ट निर्माण तथा डिफेंस कॉलोनी क्षेत्र में रिचार्ज शाफ्ट निर्माण के कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में AMRUt 1.0 के अंतर्गत पूर्व में स्वीकृत परियोजनाओं में हुई लगभग 39.82 करोड़ की बचत के उपयोग पर भी निर्णय लिया गया। इस राशि के माध्यम से रुद्रपुर तथा काशीपुर नगर क्षेत्रों में वाटर मीटर अधिष्ठापन से संबंधित प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई, जिससे शहरी जल प्रबंधन प्रणाली को अधिक आधुनिक और प्रभावी बनाया जा सकेगा। मुख्य सचिव ने कहा कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन से वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिलेगा, भू-जल स्तर में सुधार होगा तथा शहरी क्षेत्रों में जल संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने संबंधित विभागों को सभी परियोजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में सचिव नितेश झा, वी षणमुगम, युगल किशोर पंत सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

घर में घुसकर तमंचा तानकर दी जान से मारने की धमकी, मामला दर्ज

बाजपुर। बेरिया रोड स्थित नरखेड़ा कालोनी में घर में घुसकर गाली-गलौज करने और तमंचा तानकर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोपितों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम नरखेड़ा कालोनी बेरिया रोड निवासी हीरालाल पुत्र रामचंद्र ने पुलिस को बताया कि गुरुवार सुबह करीब 11 बजे वह अपने घर पर मौजूद था। आरोप है कि इसी दौरान गांव के ही एक व्यक्ति मेहता कालोनी बेरिया रोड एवं भौना कालोनी बाजपुर निवासी अपने दो साथियों के साथ एक राय होकर उसके घर में जबरन घुस आए और गाली-गलौज करने लगे।पीड़ित का आरोप है कि इस दौरान एक आरोपित ने उस पर तमंचा तानते हुए जान से मारने की धमकी दी। बीच-बचाव करने पर उसकी माता पर भी आरोपित ने तमंचा तान दिया और उन्हें धक्का देकर पीछे कर दिया। शोर-शराबा होने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर जुटने लगे, जिस पर तीनों आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं खबर लिखे जाने तक प्राथमिकी पंजीकृत नहीं हुई थी, अलबत्ता पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फायर सीजन शुरू होते ही थराली के जंगलों में लगी भीषण आग

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

देहरादून। गर्मी का सीजन शुरू होते ही जंगलों में आग लगनी शुरू हो चुकी है। ताजा मामला चमोली जिले के थराली के जंगलों में सामने आया है। यहां भीषण आग लगने से 20 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र जलकर राख हो गए हैं। चेपड़ों गांव की गौशालाएं भी आग की जद में आ गई हैं, जिससे स्थानीय लोगों में भय का माहौल है।

बता दें कि उत्तराखंड के चमोली जिले में बद्रीनाथ वन प्रभाग के अंतर्गत मध्य पिंडर रेंज के जंगलों में भीषण आग लगी है। चेपड़ों और सौगांव गांवों के जंगल इस आग की चपेट में आ गए हैं, जिसने तेजी से फैलते हुए खाड़ीबगड़, सौगांव जूनिधार और गोठिंडा के वन क्षेत्रों को भी अपनी जद में ले लिया है। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसकी लपटें 50 मीटर तक ऊंची उठ रही हैं और 20 फीट तक की ऊंचाई तक पहुंच रही हैं। आग ने अब तक लगभग 20 हेक्टेयर से अधिक वन क्षेत्र को जलाकर राख कर दिया है। चेपड़ों गांव की गौशालाएं भी आग की जद में आ गई हैं, जिससे स्थानीय लोगों में भय का माहौल है। आग की लपटें ऊपर की ओर जूनिधार गांव तक पहुंच गई हैं, जिससे ग्रामीण आबादी के लिए भी खतरा बढ़ गया है। खड़ी चट्टनों और घने चीड़ के लीसे वाले जंगलों के कारण आग पर काबू पाना अत्यंत कठिन साबित हो रहा है। अग्नि शमन कर्मचारियों और वन विभाग की टीमें आग बुझाने के लिए युद्धस्तर पर जुटी हुई हैं, लेकिन खड़ी चट्टनों और आग की प्रचंडता के कारण उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रात का अंधेरा और लगातार गिरते पत्थर तथा जलते हुए पेड़ों के कारण बचाव कार्य में बाधा आ रही है। वन क्षेत्राधिकारी मनोज देवराड़ी ने बताया कि टीम पूरी रात आग से लड़ने का प्रयास करती रही, लेकिन स्थिति गंभीर बनी हुई है। आग की लपटों से जलते हुए पेड़ और पत्थर स्टेट हाईवे थराली-देवाल मोटर मार्ग पर भी गिर रहे हैं, जिससे इस मार्ग से गुजरने वाले वाहनों और राहगीरों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। इसके अतिरिक्त, आग ने जंगलों में रहने वाले वन्यजीवों के लिए भी गंभीर संकट उत्पन्न कर दिया है। कई छोटे-बड़े पेड़-पौधे जल गए हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका है।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास योजनाओं के लिए प्रदान की 171 करोड की वित्तीय स्वीकृति

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्र में सड़कों के निर्माण, विद्युत परियोजनाओं के सुदृढ़ीकरण, सिटी सेंटर चंपावत के निर्माण, अतिथि गृह भवनों के पुनर्निर्माण, यातायात व्यवस्था आदि को सुचारू बनाए जाने के लिए 171 करोड़ की धनराशि का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री ने राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद बागेश्वर के विधानसभा क्षेत्र बागेश्वर के विकासखण्ड बागेश्वर में सातरतवे से सिगी नरगोल होते हुए गिरेछीना मिलान मोटर मार्ग के निर्माण हेतु घ् 3.35 करोड़, जनपद चमोली के विधानसभा क्षेत्र केदारनाथ में कालीमठ-कोटमा-जाल-चौमासी मोटर मार्ग के सुधारीकरण कार्य हेतु 3.75 करोड़ तथा जनपद पौडी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र लैन्सडाऊन के विकासखण्ड रिखणीखाल के अन्तर्गत कोटडीसैण के समीप ग्राम पैयागढ़ी रजबौ मल्ला दियोड मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 4.27 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने जनपद चम्पावत के विधानसभा क्षेत्र लोहाघाट में किमतोली से रौशाल मोटर मार्ग में हॉटमिक्स कार्य हेतु कुल 12.15 करोड के साथ ही रोडवेज स्टेशन चम्पावत में आधुनिक सुसज्जित स्टोरी पार्किंग व शॉपिंग कॉम्पलेक्स (सिटी सेंटर चम्पावत) के निर्माण हेतु 62.33 करोड स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री द्वारा लखवाड़ बहुउद्देशीय परियोजना के निर्माण हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुदान सं० 21 के अन्तर्गत कुल रु 50.25 करोड़ स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने राज्य सम्पत्ति विभाग के नियंत्रणाधीन उत्तराखण्ड सदन, नई दिल्ली के द्वितीय तल पर स्थापित 12 कक्षों के रेनोवेशन (सिविल एवं विद्युत कार्य) हेतु कुल 1.60 करोड स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री द्वारा देहरादून शहर की यातायात एवं ट्रैफिक की समस्या के निदान के सम्बन्ध में विभिन्न 06 कार्यों हेतु 33.45 करोड स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सुमन जैन पत्नी स्व० महावीर प्रसाद, निवासी-डी-19, मॉडल कॉलोनी, रूद्रपुर, जिला ऊधम सिंह नगर को दिनांक 27.06.2025 से 20 हजार प्रतिमाह लोकतंत्र सेनानी सम्मान राशि अनुमन्य किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट के अन्तर्गत विकासखण्ड चौखुटिया में कुनीगाड-हिरुली बाजार से रामपुर-चौखुटिया गोटर मार्ग (लं० 4.00 किमी) का नाम शहीद सूबेदार भवानी दत्त जोशी (सेना मेडल) मोटर मार्ग, जनपद चमोली के विधानसभा क्षेत्र थराली में विकासखण्ड देवाल के अन्तर्गत ल्वाणी सुया मोटर मार्ग का नाम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व0 श्री खीम सिंह के नाम, विधानसभा क्षेत्र बद्रीनाथ के विकासखण्ड दशोली के गोपेश्वर मंडल से ग्राम ग्वाड तक मोटर मार्ग का नाम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व0 मेहरबान सिंह रावत के नाम तथा विधानसभा क्षेत्र कर्णप्रयाग के नैनीसैंड-कालूसैण-आमसौंड (सेरागाड) मोटर मार्ग का नाम उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलनकारी तुलाराम थपलियाल रखे जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा मै0 एडवोकेटिंग प्रोग्रेसिव एक्शन फॉर चेंज डिजिटल इनोवेशन न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड, नोएडा, द्वारा माह मार्च, 2026 (प्रस्तावित तिथियां 23 एवं 24 मार्च 2026) में देहरादून, उत्तराखण्ड में उत्तराखण्ड डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू एआई-विकसित भारत, 2047 की ओर विषय पर 5वें डिजिटल एम्पावरमेंट मीट एवं अवाड्र्स-उत्तराखण्ड चौप्टर के आयोजन किये जाने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया है।

अमित शाह 7 मार्च को हरिद्वार में विकास एवं न्याय संहिता प्रदर्शनी का करेंगे अवलोकन

देहरादून। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आगामी 7 मार्च को हरिद्वार के बैरागी कैम्प में आयोजित विभिन्न प्रदर्शनों का अवलोकन करेंगे तथा जनसभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, राज्य सरकार के मंत्रीगण, सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में बीते चार वर्षों के दौरान उत्तराखंड में किए गए विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा लिए गए महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णयों पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। इस प्रदर्शनी में राज्य सरकार द्वारा बुनियादी ढाँचे के विकास, सड़क एवं संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा क्षेत्र में सुधार, निवेश प्रोत्साहन, पर्यटन विकास, धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण तथा सीमांत क्षेत्रों के विकास के लिए किए गए महत्वपूर्ण कार्यों को प्रदर्शित किया जाएगा।

प्रदर्शनी के माध्यम से राज्य में सुशासन, पारदर्शिता तथा नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में किए गए प्रयासों को भी रेखांकित किया जाएगा। विभिन्न विभागों द्वारा तैयार किए गए दृश्य प्रदर्शनों, चित्रों, मॉडल तथा जानकारीपूर्ण पैनलों के माध्यम से बीते वर्षों में राज्य में हुए परिवर्तन और विकास की झलक प्रस्तुत की जाएगी, जिससे आमजन उत्तराखंड की विकास यात्रा को निकट से समझ सकेंगे। इसी क्रम में 7 से 9 मार्च 2026 तक "न्याय संहिता" विषय पर राज्यस्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन भी बैरागी कैम्प में किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी भारत सरकार द्वारा लागू किए गए नए आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है।

नई न्याय संहिताएँ देश की आपराधिक न्याय व्यवस्था में व्यापक एवं ऐतिहासिक परिवर्तन लेकर आई हैं। इनका उद्देश्य औपनिवेशिक प्रावधानों को समाप्त कर नागरिक केंद्रित, पारदर्शी, उत्तरदायी तथा तकनीक समर्थ न्याय प्रणाली स्थापित करना है। "दंड से न्याय" की अवधारणा के अंतर्गत पीड़ितों के अधिकारों की सुरक्षा, महिलाओं एवं बच्चों की गरिमा की रक्षा तथा वैज्ञानिक एवं समयबद्ध अन्वेषण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। प्रदर्शनी में नई न्याय संहिताओं की प्रमुख विशेषताओं को सरल और प्रभावी माध्यमों से प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें समयबद्ध जांच एवं आरोप-पत्र की अनिवार्यता, शून्य प्राथमिकी तथा इलेक्ट्रॉनिक प्राथमिकी की व्यवस्था, सात वर्ष से अधिक दंडनीय अपराधों में अनिवार्य विधि-विज्ञान जांच, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल साक्ष्यों की वैधता, महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध अपराधों के लिए सशक्त प्रावधान, संगठित अपराध, साइबर अपराध एवं आतंकवाद से संबंधित स्पष्ट दंड प्रावधान, पीड़ित प्रतिकर योजना तथा संपत्ति की शीघ्र वापसी की व्यवस्था को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा।

नियम विरूद्ध निर्माण कार्यों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी: बंशीधर तिवारी

प्रीति रावत

देहरादून। मसूरी–देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) द्वारा प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माणों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रखते हुए गुरुवार को दो स्थानों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। प्राधिकरण की टीम ने निर्धारित मानकों और स्वीकृत मानचित्रों का उल्लंघन कर किए जा रहे व्यवसायिक निर्माणों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें सील कर दिया। प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार मै0 के0एस0 फर्नीचर हाउस, श्रीराम टावर्स, बंजारावाला रोड, निकट वृंदा गाडन, देहरादून में बिना स्वीकृति के किए जा रहे व्यवसायिक निर्माण को चिन्हित किया गया था। संबंधित निर्माण प्राधिकरण के मानकों के विपरीत पाए जाने पर एमडीडीए की टीम ने मौके पर पहुंचकर उक्त परिसर को सील कर दिया।

इसी क्रम में गिरीश चन्द चौधरी द्वारा बैंक कॉलोनी, मोथरोवाला रोड, देहरादून में किए जा रहे अवैध व्यवसायिक निर्माण पर भी प्राधिकरण ने कार्रवाई की। जांच के दौरान पाया गया कि निर्माण कार्य बिना स्वीकृत मानचित्र के किया जा रहा था, जिसके बाद नियमानुसार सीलिंग की कार्रवाई करते हुए निर्माण को बंद करा दिया गया। एमडीडीए द्वारा लगातार ऐसे निर्माणों की निगरानी की जा रही है जो प्राधिकरण के नियमानुसार स्वीकृत नहीं हैं। प्राधिकरण की टीम क्षेत्र में नियमित निरीक्षण कर रही है ताकि अनियमित और अवैध निर्माणों पर समय रहते कार्रवाई की जा सके और शहर के सुव्यवस्थित विकास को सुनिश्चित किया जा सके। इस कार्रवाई के दौरान संयुक्त सचिव गौरव वटवाल के आदेशों के क्रम में प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम मौके पर मौजूद रही। टीम में सहायक अभियंता निशांत कुकरेती, अवर अभियंता नेहा बर्थवाल और जयदीप राणा सहित सुपरवाइजर तथा पुलिस बल भी मौजूद रहा, जिनकी उपस्थिति में पूरी प्रक्रिया को नियमानुसार संपन्न कराया गया। एमडीडीए ने स्पष्ट किया है कि प्राधिकरण क्षेत्र में बिना स्वीकृति के किसी भी प्रकार का निर्माण या भूमि उपयोग परिवर्तन नियमों के विरुद्ध है और ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य शुरू करने से पहले प्राधिकरण से स्वीकृत मानचित्र प्राप्त करना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके।

एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि देहरादून और आसपास के क्षेत्रों का नियोजित और व्यवस्थित विकास सुनिश्चित करना प्राधिकरण की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है और जहां भी बिना स्वीकृति के निर्माण या नियमों का उल्लंघन पाया जा रहा है, वहां तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि भवन निर्माण से पहले प्राधिकरण से स्वीकृत मानचित्र अवश्य प्राप्त करें और निर्धारित मानकों का पालन करें, अन्यथा नियमों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। एमडीडीए के सचिव मोहन सिंह बर्निया ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माणों के खिलाफ प्रवर्तन अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि प्रवर्तन टीम नियमित रूप से क्षेत्र का निरीक्षण कर रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सीलिंग, ध्वस्तीकरण सहित आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों से नियमों का पालन करने की अपील की गई है।

समान वेतनमान को ढांचागत बदलावों के लिए जेनेराली सेंट्रल इंश्योरेंस की गंभीर पहल

देहरादून। जेनेराली सेंट्रल इंश्योरेंस (जो दुनिया की बड़ी बीमा कंपनी जेनेराली और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का संयुक्त उपक्रम है) ने आज अपने नए और साहसी अभियान 'हैप्पी विमेंस पे' के लॉन्च की घोषणा की। इस पहल के मुताबिक अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की भावना का वास्तविक सम्मान का तरीका है महिला व पुरुष कर्मचारियों के लिए एक समान वेतन।

यह पहल पारंपरिक अभिवादन को नए तरीके से पेश करती है, और वेतन में समानता को कॉर्पोरेट जवाबदेही के केंद्र में रखती है। स्त्री–पुरुष बराबरी पर बातें तो जोरदार होती हैं लेकिन इनके बावजूद वैश्विक आंकड़ें दर्शाते हैं कि महिलाएं अभी भी पुरुषों के बराबर काम के लिए पुरुषों से कम कमाती हैं–और, यह अंतर कोरोना महामारी के बाद और भी ज्यादा बढ़ गया है। जेनेराली सेंट्रल इंश्योरेंस औपचारिक इशारों से नहीं बल्कि कार्यवाही से जवाब देती है, एक समान वेतन के अपने वादे को दोहराती है और इस बात पर जोर देती है कि असली उत्सव ढांचागत निष्पक्षता में है, प्रतीकवाद में नहीं। यह अभियान एक कठोर सच्चाई का सामना करता है: भारत में जेंडर पे गैप लगभग 35 प्रतिशत है, जिसमें महिलाएं पुरुषों के वेतन का केवल 65 प्रतिशत ही कमाती हैं, जबकि समान पारिश्रमिक अधिनियम को दशकों हो गए हैं। इस पहल के बारे में जेनेराली सेंट्रल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ अनुप राउ ने कहा, ''सस्टेनेबल बिजनेस हर स्टेकहोल्डर–कर्मचारी, ग्राहक, साझेदार और शेयरधारक–के लिए निष्पक्षता और भरोसे पर निर्मित होते हैं। एक समान काम के लिए एक समान वेतन कोई आकांक्षा नहीं होनी चाहिए; यह सामान्य नियम होना चाहिए। जब संगठन इसे सही तरीके से करते हैं, तो वे सिर्फ समानता के मुद्दे को ही हल नहीं करते, बल्कि वे कार्यस्थल के भीतर और बाहर भी मजबूत टीम और ज्यादा भरोसा निर्मित करते हैं। जेनेराली सेंट्रल इंश्योरेंस में, हम वेतन समानता को इस बात का बेसिक टैस्ट मानते हैं कि हम अपने मूल्यों पर चल रहे हैं या नहीं। हैप्पी विमेंस पे जैसी पहलें जरूरी हैं क्योंकि वे कंपनियों को ईमानदारी से आंकड़े देखने और खुद से पूछने के लिए प्रेरित करती हैं कि क्या वे सही कर रही हैं, पर्याप्त कर रही हैं।"

राज्य महिला आयोग सभी जिलों में आयोजित करेगा 'महिला जनसुनवाई' अभियान

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय महिला आयोग के अभियान 'महिला आयोग आपके द्वार' के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उत्तराखंड राज्य महिला आयोग द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके अधिकारों के संरक्षण हेतु वृहद प्रदेशव्यापी अभियान का आयोजन किया जा रहा है। आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 09 मार्च से 13 मार्च 2026 के मध्य प्रदेश के सभी 13 जनपदों में 'महिला जनसुनवाई' कार्यक्रमों का विशेष आयोजन सुनिश्चित किया गया है।

इस महत्वपूर्ण अभियान के विषय में जानकारी साझा करते हुए अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने कहा कि, ''हमारा संकल्प प्रदेश की प्रत्येक महिला को सुरक्षित और गरिमापूर्ण वातावरण प्रदान करना है। अक्सर भौगोलिक बाधाओं के कारण ग्रामीण क्षेत्रों की बहनें मुख्यालय तक नहीं पहुँच पातीं, इसलिए आयोग स्वयं उनके द्वार तक पहुँचकर उन्हें त्वरित न्याय दिलाने का प्रयास कर रहा है। महिला आयोग हर उस महिला के साथ मजबूती से खड़ा है जो अपने सम्मान के लिए आवाज उठाना चाहती है। हमारा उद्देश्य है कि कोई भी पीड़ित महिला न्याय की मुख्यधारा से वंचित न रहे।''

कुसुम कंडवाल ने विशेष रूप से स्पष्ट किया कि इस जनसुनवाई का उद्देश्य केवल नई शिकायतों को प्राप्त करना ही नहीं है, बल्कि विभिन्न सरकारी विभागों में महिलाओं से संबंधित लंबित पड़े पुराने मामलों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करना भी है।

जनसुनवाई के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों से जवाबदेही तय की जाएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि लंबे समय से अटके हुए प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण हो। इसमें पुलिस, समाज कल्याण, स्वास्थ्य और राजस्व जैसे महत्वपूर्ण विभागों के साथ समन्वय कर लंबित मामलों की सुनवाई भी की जाएगी। आयोग द्वारा जारी प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, जनसुनवाई की शुरुआत 09 मार्च से होगी, जिसमें आयोग की अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं आयोग के सदस्यगण विभिन्न जनपदों में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहकर कार्यक्रमों की अध्यक्षता करेंगे। जनसुनवाई में घरेलू हिंसा, मानसिक, शारीरिक व दहेज उत्पीड़न/हत्या, संपत्ति विवाद और कार्यस्थल पर मानसिक एवं यौन उत्पीड़न, मानव तस्करी, मातृत्व लाभ न मिलने वाले जैसे गंभीर विषयों पर प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रत्येक जनपद में आयोजित होने वाली इन जनसुनवाई में जिलाधिकारी, पुलिस प्रशासन और विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे, ताकि प्रकरणों पर तत्काल वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। अंत में अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने प्रदेश की समस्त महिलाओं से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों पर आयोजित होने वाली इन जनसुनवाई में निर्भीक होकर प्रतिभाग करें और अपनी समस्याओं व लंबित प्रकरणों को आयोग के समक्ष रखें।

भारत और फिनलैंड ने कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और वर्कफोर्स मोबिलिटी में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

देहरादून। भारत सरकार के माननीय कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयन्त चौधरी ने आज फिनलैंड सरकार के माननीय रोजगार मंत्री श्री मटियास मार्टिनेन के साथ एक द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक का उद्देश्य कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और वर्कफोर्स मोबिलिटी के क्षेत्रों में भारत और फिनलैंड के बीच सहयोग को मजबूत करने के नए रास्तों को बढ़ावा देना था।

इस बैठक में दोनों देशों के बीच मजबूत और भविष्य के लिए तैयार टैलेंट इकोसिस्टम बनाने में बढ़ती सहमति दिखाई दी। दोनों मंत्रियों ने व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ाने और कुशल वर्कफोर्स की मोबिलिटी के लिए पाथवे बनाने हेतु संस्थानों, उद्योगों और प्रशिक्षण प्रणालियों के बीच सहयोग को मजबूत करने के अवसरों पर भी चर्चा की। भारत सरकार के माननीय कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयन्त चौधरी ने कहा "माननीय प्रधानमंत्री के विजन के तहत, भारत दुनिया की ग्लोबल स्किल कैपिटल बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सबसे युवा और सबसे डायनामिक वर्कफोर्स में से एक के साथ, तेजी से बढ़ते स्किलिंग इकोसिस्टम द्वारा समर्थित, भारत वैश्विक उद्योगों में कुशल टैलेंट का योगदान करने के लिए सबसे मजबूत स्थिति में है। भारत की जनसांख्यिकीय ताकत और फिनलैंड की तकनीकी और व्यावसायिक उत्कृष्टता कौशल के क्षेत्र में एक विशेष साझेदारी बनाती है। हमारी चर्चा प्रशिक्षण इकोसिस्टम के बीच प्रैक्टिकल ब्रिज के निर्माण, संस्थागत सहयोग को मजबूत करने और प्रशिक्षण और मोबिलिटी के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए कुशल युवाओं के लिए वैश्विक अवसरों तक पहुंचने के पाथवे बनाने पर केंद्रित थी।"

फिनलैंड सरकार के माननीय रोजगार मंत्री श्री मटियास मार्टिनेन ने कहा ष"फिनलैंड व्यावसायिक शिक्षा और वर्कफोर्स विकास के क्षेत्र में भारत के साथ अपनी बढ़ती साझेदारी को महत्व देता है। हम अत्यधिक कुशल भारतीय प्रोफेशनल्स के योगदान की सराहना करते हैं जो विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करते हुए हमारे वर्कफोर्स को मजबूत कर रहे हैं। भारत का मजबूत स्किलिंग इकोसिस्टम और इसका युवा टैलेंट आगे सहयोग के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। हमारे संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग को मजबूत करके, हम इनोवेशन, कौशल विकास और सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हुए वर्कफोर्स की चुनौतियों का समाधान कर सकते हैं।" इस चर्चा में भारत के बढ़ते स्किलिंग इकोसिस्टम और फिनलैंड के विकसित श्रम बाजार की जरूरतों, विशेष रूप से हेल्थकेयर, कंस्ट्रक्शन, ग्रीन टेक्नोलॉजी और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों के बीच महत्वपूर्ण समानताओं को मान्यता दी गई। दोनों पक्षों ने स्ट्रक्चर्ड और आपसी लाभ वाले मोबिलिटी फ्रेमवर्क के महत्व पर जोर दिया जो कुशल प्रोफेशनल्स को प्रशिक्षण, सर्टिफिकेशन और वर्कर वेलफेयर के उच्च मानकों को सुनिश्चित करते हुए वैश्विक अवसरों तक पहुँचने में सक्षम बनाता है। बातचीत के दौरान, दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों के बीच साझेदारी को मजबूत करने, नॉलेज एक्सचेंज को बढ़ावा देने और उद्योगों के नेतृत्व वाली कौशल विकास पहलों को बढ़ावा देने के महत्व पर भी ध्यान दिया। उन्होंने प्रशिक्षण क्षमता निर्माण, अंतर्राष्ट्रीय मोबिलिटी का सहयोग करने के लिए भाषा प्रशिक्षण का एकीकरण और ऐसे पाथवे के विकास जैसे क्षेत्रों पर भी विचार–विमर्श किया, जो शिक्षार्थियों को शैक्षणिक योग्यता के साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण को जोड़ने में मदद करें।

2021-22 के मुकाबले जीएसडीपी में आया डेढ़ गुना से ज्यादा का उछाल

वर्ष 2024-25 में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर हुई 2,73,921, राज्य में वर्ष एमएसएमई की कुल संख्या बढ़कर हुई 79394

पवन कश्यप

देहरादून। प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम ने गुरुवार को सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के बारे में बताया कि वर्ष 2024-25 में राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 3,81,889 करोड़ रहा, जो वर्ष 2021-22 में 2.54 लाख करोड़ रुपए थी। 2021-22 के मुकाबले जीएसडीपी में डेढ़ गुना से ज्यादा का उछाल आया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021-22 में राज्य में प्रति व्यक्ति आय 194670 थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 2,73,921 हो गई। प्रमुख सचिव ने बताया कि इस वर्ष यह सर्वेक्षण नेशनल कांउसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के साथ मिलकर तैयार किया गया है। प्रमुख सचिव ने बताया कि वर्ष 2024-25 में ग्रोथ रेट 7.23 प्रतिशत रहा है। मल्टी डायमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स वर्ष 2021-22 में 9.7 प्रतिशत था जो वर्ष 2024-25 में घटकर 6.92 प्रतिशत पर आ गया है। लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट वर्ष 2021-22 में 60.1 प्रतिशत था, वर्ष 2024-25 में 64.4 प्रतिशत है तथा यह रोजगार के क्षेत्र में 4.3 प्रतिशत की बढोत्तरी को दर्शाता है। उन्होंने बताया ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स वर्ष 2001 में 0.247, वर्ष 2017 में 0.684, वर्ष 2021-22 में 0.718 जो अब बढ़कर वर्ष 2024-25 में 0.722 हो गया है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि राज्य में वर्ष 2021-22 में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) की कुल संख्या 59798 थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 79394 हो गई है। उन्होंने एमएसएमई के अंतर्गत रोजगार पाने वालों की संख्या वर्ष 2022 में 343922 थी जो वर्ष 2025 में बढ़कर 456605 हो गई है। राज्य में वर्ष 2021-22 तक लार्ज इंडस्ट्री की संख्या 107 थी जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 128 हो गई हैं। इसके साथ राज्य में वर्ष 2017 तक स्टार्टअप की संख्या शून्य थी, जो वर्ष 2021-22 में 702 थी तथा वर्ष 2024-25 में बढ़कर 1750 हो गई है। प्रमुख सचिव ने बताया कि राज्य में सड़कों की कुल लम्बाई वर्ष 2021-22 में 50393 किमी थी, जो 2024-25 में बढ़कर 51278 किमी हो गई है। राज्य में 2022 तक 2 हेलीपोर्ट थे, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 7 हो गए। हेलीपेड की संख्या वर्ष 2021-22 में 60 थी जो वर्ष 2024-25 में 118 हो गई है। उन्होंने बताया कि प्राइमरी विद्यालयों में ड्रॉपआउट का अनुपात वर्ष 2021-22 में 1.64 प्रतिशत था जो वर्ष 2024-25 में 1.41 प्रतिशत हो गया है, जबकि सेकेंडरी विद्यालयों में यह अनुपात वर्ष 2021-22 में 7.65 प्रतिशत था जो वर्ष 2024-25 में 4.59 प्रतिशत हो गया है।

प्रमुख सचिव ने कहा कि राज्य में शासकीय एवं अशासकीय डिग्री कॉलेजों की संख्या वर्ष 2021-22 में 124 थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 139 हो गई है। इसके साथ इजीनियरिंग कॉलेज गवर्नमेंट एवं प्राइवेट की संख्या वर्ष 2021-22 में 20 थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 52 हो गई है। उन्होंने बताया राज्य में 2021-22 में कुल 5157 मिलियन यूनिट का विद्युत उत्पादन होता था, जो 2024-25 में यह उत्पादन बढ़कर 16500 मिलियन यूनिट हो गया है। जबकि कंजम्पशन ऑफ इलेक्ट्रिसिटी (विद्युत खपत) में बढ़ोतरी हुई। वर्ष 2022 में बिजली की खपत 12518 मिलियन यूनिट थी, जो 2024-25 में बढ़कर 17192 मिलियन यूनिट हो गई है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि सोलर इलेक्ट्रिसिटी जेनरेशन के क्षेत्र में राज्य में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। वर्ष 2021-22 में सौर ऊर्जा के माध्यम से 439 मेगावाट उत्पादन होता था, जो 2025 में बढ़कर 1027 मेगावाट हो गया है। उन्होंने बताया राज्य में शिशु मृत्यु दर (प्िंदज डवतजंस. पजल तंजम) वर्ष 2021-22 में 22 था, जो 2024-25 में घटकर 20 पर आ गया है। इसके साथ मातृ मृत्यु दर वर्ष 2021-22 में 103 थी, जो 2024-25 में घटकर 91 पर आ गया है। इसके साथ ही राज्य में लाइफ एक्सपेर्टेंसी की उम्र 71.7 साल से बढ़कर 73 साल हो गई है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि राज्य में वर्ष 2021-22 में 97 प्रतिशत घरों में शौचालय की सुविधा थी जो अब शतप्रतिशत हो गई है। उन्होंने बताया कि राज्य में धान और गेहूं उत्पादन में भी बढ़ोतरी हुई। राइस एवं व्हीट प्रोडक्शन वर्ष 2021-22 में 28.23 कुंतल प्रति हेक्टेयर था जो अब बढ़कर 32.47 कुंतल प्रति हेक्टेयर पहुंच गया है। उन्होंने बताया वर्ष 2021-22 में औषधिया एंड एरोमैटिक प्लांट का एरिया कुल 900 हेक्टेयर था, जो 2024-25 में बढ़कर 10 हजार हेक्टेयर पहुंच गया है। प्रमुख सचिव ने बताया कि राज्य में वर्ष 2021-22 तक 50.92 लाख लीटर प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन होता था, जो 2024-25 में बढ़कर 54.59 लाख लीटर प्रतिदिन हो गया है। वहीं फिश उत्पादन में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। फिश उत्पादन वर्ष 2021-22 में कुल 7325 टन प्रति साल होता था, जो 2024-25 में बढ़कर 10487 टन प्रति साल हो गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में वर्ष 2021-22 में 8225 होटल/अदर स्टे थे जो 2024-25 में बढ़कर 10509 हो गए है। वहीं राज्य में 2021- 22 में 3935 होमस्टे थे, जिनकी संख्या 2024-25 में बढ़कर 6161 पहुंच गई है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि एसडीजी इंडेक्स में वर्ष 2021-22 में राज्य ने चौथा स्थान प्राप्त किया था, वहीं वर्ष 2023-24 में उत्तराखण्ड एसडीजी इंडेक्स की रैंक में प्रथम स्थान पर रहा। वर्ष 2026-27 के लिए राज्य की जीएसडीपी 8.2 प्रतिशत अनुमानित है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि उत्तराखंड राज्य के आ. र्थिक सर्वेक्षण के सकारात्मक आंकड़े हमारे सतत विकास और सुशासन के प्रयासों का परिणाम हैं। जीएसडीपी, प्रति व्यक्ति आय, एमएसएमई, स्टार्टअप और पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति यह दर्शाती है कि उत्तराखंड तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। हमारी सरकार प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में रोजगार सृजन, निवेश प्रोत. साहन और जनकल्याण को केंद्र में रखकर राज्य को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

रूप ग्रामीण रोजगार संस्थान ने किया होली मिलन एवं रंग उत्सव का आयोजन

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

पौड़ी। पौड़ी रूप ग्रामीण रोजगार संस्थान द्वारा संचालित डिजाइन एवं टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट वर्कशॉप के अंतर्गत होली मिलन एवं रंग उत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 16 फरवरी से 16 मार्च 0तक संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से प्रतिभागियों को डिजाइन एवं तकनीकी कौशल का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

इस मौके फर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पौड़ी राजेंद्र टमटा, समाज सेविका पूनम टमटा, प्रख्यात डिजाइनर सुश्री इशिता रस्तोगी तथा संस्थान के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह भंडारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों का पारंपरिक तिलक एवं गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। शाम लगभग 5 बजे से 6 बजे तक प्रशिक्षणार्थियों, प्रशिक्षकों एवं अतिथियों ने सामूहिक रूप से होली खेली तथा एक-दूसरे को रंग लगाकर शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर महिला प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को उल्लासपूर्ण एवं जीवंत बना दिया। आयोजन के माध्यम से प्रेम, भाईचारे, सामाजिक समरसता एवं महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया गया। संस्थान के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह भंडारी ने अपने संबोधन में कहा कि "त्योहार हमारी सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं और ऐसे आयोजन प्रशिक्षण के दौरान सकारात्मक ऊर्जा एवं एकता को बढ़ावा देते हैं।" डिजाइनर इशिता रस्तोगी ने प्रतिभागियों को रचनात्मक कार्यों में निरंतर प्रगति करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन मिठाई वितरण एवं आपसी शुभकामनाओं के साथ हुआ। उपस्थित जनों ने संस्थान के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे प्रशिक्षण के साथ सांस्कृतिक मूल्यों के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

मसूरी में मार्शल आर्ट प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

मसूरी। मसूरी स्पोर्टस एसोसिएशन के सहयोग से गुड़गांव हरियाणा से आये मिक्स मार्शल आर्ट के कोच ने मसूरी के बच्चों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया ताकि बच्चे आत्म सुरक्षा के साथ ही अपना मनोबल बढा सकें, स्वस्थ्य रह सके, नेतृत्व क्षमता का विकास हो सके व आत्मविश्वास बढ सके।

एमएमए वर्कशाप में कोच प्रशांत बिष्ट व अभिश्री ने कार्यशाला में आये बच्चों को मिक्स मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया व इससे होने वाले लाभ के साथ ही इस आर्ट को आम जन तक पहुंचाने के लिए प्रशिक्षण दिया। इस मौके पर अभिश्री ने बताया कि मसूरी में पहली बार एमएमए का कान्सेप्ट लेकर आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसका उददेश्य एक फाइट अपने आप से, अपने शरीर से अपने मस्तिष्क से होती है। इसमें किसी भी आयु वर्ग वाले प्रतिभाग कर सकतें है चाहे बच्चे हो, गृहणी हो या वरिष्ठ नागरिक हो। यह एक ऐसा लाइफ स्टाइल है तो मेंटली व फिजिकली फिटनेस की ओर ले जाता है। इस मौके पर एमएमए के राष्ट्रीय कोच प्रशांत बिष्ट ने बताया कि इसमें सभी मार्शल आर्ट को मिक्स किया गया है इसमे कोई लिमिटेशन नहीं है कि बॉक्सिग करनी है या किक बॉक्सिग करनी है इसमें जो रूल बने है उसी के हिसाब से प्रशिक्षण लेना होता है जिसमें सिर, स्पाइन पर प्रहार नहीं करना होता। इस कार्यशाला में बॉक्सिगं, किक बॉक्सिंग, व रेसलिंग के बेसिक सिखाये जायेंगे। उन्होंने बताया कि गुड़गांव में एमएमए सिखा रहे है इसमें कोई उम्र का बंधन नहीं है। इस मौके पर मौजूद बालक व बालिकाओं ने वार्मअप होने के बाद एमएमए का प्रशिक्षण लिया। इस मौके पर मसूरी स्पोर्टस एसोसिएशन के अध्यक्ष सूरत सिंह रावत, पूर्व अध्यक्ष सुरेश गोयल, महासचिव सौरभ सोनकर, बिजेंद्र पुंडीर, गंगा सिंघल, प्रताप कंडारी, अधिवक्ता विपिन गुप्ता सहित लोग मौजूद रहे।

संपादकीय..............

सुरक्षित पर्यटन की पहल...

अपने पर्यटन के बीच खास पर्यटन की खोज में हिमाचल ने 'शी-स्टे' योजना के आरंभिक मानचित्र पर काम करना शुरू किया है। तीन चरणों की योजना में महिला सैलानी के अनुभव में सुरक्षित वातावरण, चुस्त मेहमाननवाजी, अलंकृत व्यवस्था तथा महिलाओं की भागीदारी से सहजता प्रदान की जा रही है। शी-स्टे की संपत्तियों का चयन व प्रमाणिकता के साथ आश्वासन के हस्ताक्षर करती यह योजना 'शी शील्ड मोबाइल एप' के जरिए लोकेटर, यात्रा प्लानर, विविधताओं और आकर्षणों की पेशकश, सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा महिला सशक्तिकरण का अनूठा पथ विकसित कर रही है। स्वतंत्र महिलाओं के एकल कदम हिमाचल को चिन्हित करते हैं, तो राज्य की अधोसंरचना विकास तथा निजी क्षेत्र के साथ सहयोग भी अलग तरह की संभावनाओं का आकाश खोल सकता है। वास्तव में 'शी-स्टे' की अवधारणा युवा पर्यटन की ही एक ब्रांच है, जो पिछले दशक से हिमाचल के भीतरी, कबायली और ग्रामीण इलाकों में विश्रांति का रास्ता खोज रहा है। यह वर्ग हिमाचल की शांति में आध्यात्मिक ऊर्जा का संवाहक बन रहा है, तो संस्कृति के अछूतेपन को महसूस कर रहा है। ऐसे कई युवा ग्रुप या तो अपने प्रोफेशन के प्रोजेक्ट्स के साथ दो-तीन महीने गुजारने की अनूठी पहल से आते हैं या शिक्षा के हर दौर से गुजरे याराना को फिर से बसाने के लिए हिमाचल में जगह खोजते हैं। ज्यादातर आईटी प्रोफेशनल कारपोरेट जगत के तनाव और दबाव से दूर रह कर पहाड़ की संगत में मौसम, प्रकृति की निर्मलता, सौम्यता व प्रदूषण रहित माहौल की दरियादिली में खुद में ताजगी लेकर लौटना चाहते हैं। ऐसे में युवा महिलाओं की हिस्सेदारी को बढ़ाते हुए हिमाचल एक कदम और आगे जाना चाहता है, तो प्रदेश के कई रेस्ट हाउसों, सरकारी होटलों, होम स्टे व निजी पर्यटन इकाइयों में नए परिचय के साथ यह सुनिश्चित होना चाहिए कि इन्हें 'शी-स्टे' के लिए अधिकृत किया गया है। यह कार्य आसानी से हो सकता है, लेकिन सबसे अधिक परेशानी का सबब बनती है महिला ट्रैवलिंग। बेशक हिमाचल परिवहन निगम इस दिशा में कई सफल प्रयोग कर सकता है, लेकिन यात्रा से स्थानीय साइट सीईंग तक की बुकिंग में पर्यटन तथा परिवहन निगमों को पैकेज के तहत सारे स्टे का सुरक्षित प्रबंधन करना पड़ेगा। शी-स्टे की जरूरतों में बजटीय इकाइयों में से एक तो एचआरटीसी के मॉडर्न बस स्टैंड ही हो सकते हैं। बस स्टैंड परिसर में अगर होटल संभव नहीं तो विशेष हॉस्टल बनाए जा सकते हैं। इसके अलावा एचआरटीसी पर्यटक टैक्सियों का संचालन निजी क्षेत्र के सहयोग से कर सकता है, जहां प्री पेड टैक्सी सेवा के जरिए हिमाचल के भीतर घूमना आसान हो सकता है। मंदिर ट्रस्ट भी अपने परिसर में धार्मिक यात्रा के पड़ाव की तरह विशेष छात्रावास बनाकर महिला यात्रियों को सुरक्षित पनाह दे सकते हैं। पर्यटक स्थलों के स्थानीय निकायों को अब अपने दायरे में पर्यटन का राजदूत बनना पड़ेगा। पर्यटक केंद्रों के स्थानीय निकाय अपनी संभावनाओं के अक्स में ऐसी संपत्तियां विकसित कर सकते हैं, जहां किसी महिला सैलानी को सुरक्षित पनाह मिल सके। प्रदेश के भाषा-संस्कृति विभाग व ट्राइबल महकमे को ऐसे प्रयोग करने चाहिएं ताकि महिला यात्रियों के पड़ाव बढ़ें और इनकी सुरक्षित निगरानी भी हो सके। तमाम विश्वविद्यालयों, मेडिकल कालेजों व आईटी से संबद्ध शिक्षण संस्थानों में युवा उद्यमियों, अध्ययनकर्ताओं, शोधार्थियों और प्रोफेशनल की स्टे में महिला पात्रों को वरीयता देने के इंतजाम हो सकते हैं। डेढ़ साल से बनकर तैयार चौतड़ू का आईटी पार्क अगर अपने आंचल में आईटी कंपनियों को जगह नहीं दे पा रहा है, तो कम से कम इसे भारत भर से धर्मशाला आ रहे घुम्मकड़ आईटी युवा प्रोफेशनल के लिए 'वर्क फ्रॉम होम' की तरह इस्तेमाल और रहने की जगह में बदल देना चाहिए। हिमाचल युवा पर्यटकों के कारण चर्चित हो रहा है और आने वाले फूड व ट्रैवल ब्लागर्स में महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ी है। ऐसे में हिमाचल में आने वाले युवाओं के साथ मिलकर कई इवेंट प्लान किए जा सकते हैं।

भारतीय रैपर बादशाह की शेल्टर6 ने किया 5.46 करोड़ का कारोबार

देहरादून। संगीत जगत के मशहूर कलाकार और कारोबारी बादशाह ने कार्टेल ब्रोज के साथ मिलकर प्रीमियम स्पिरिट्स ब्रांड शेल्टर6 शुरू किया। नवंबर 2025 में शुरू होने के बाद से ही इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। सिर्फ तीन महीनों में कंपनी ने 5.46 करोड़ रुपये की कमाई की और देशभर के 696 दुकानों तक अपनी पहुंच बना ली। इस दौरान 2,908 केस (हर केस में 12 यूनिट) और टोटल 34896 यूनिट बेची गईं, जिससे यह भारत के प्रतिस्पर्धी शराब बाजार में मजबूत शुरुआत करने में सफल रही। ब्रांड को सोच-समझकर अलग-अलग चरणों में बाजार में उतारा गया है। इसके लिए पहले वितरण की योजना बनाई गई और हर राज्य में जरूरी पंजीकरण करवाए गए। अभी शेल्टर6 महाराष्ट्र, गोवा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में मिल रही है। इसके अलावा दिल्ली, राजस्थान, पंजाब और तमिलनाडु समेत 24 और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में अनुमति के लिए आवेदन किया गया है। साथ ही, मुंबई, लखनऊ, जयपुर, अहमदाबाद, तिरुवनंतपुरम, अमृतसर और मैंगलोर जैसे बड़े हवाई अड्डों की ड्यूटी-फ्री दुकानों पर भी इसे उपलब्ध कराया गया है, जिससे पूरे देश में इसकी पहचान और मजबूत हुई है।

ब्रांड के विस्तार पर बात करते हुए शेल्टर6 के सह-संस्थापक बादशाह ने कहा कि इस ब्रांड को नए भारत के आत्मविश्वास को दिखाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह ऐसा भारत है जिसकी सोच वैश्विक है, लेकिन जो अपनी जड़ों और पहचान से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि कम समय में मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया से यह साफ है कि लोग ऐसी प्रीमियम स्पिरिट्स चाहते हैं जो उनसे जुड़ाव महसूस कराए। उन्होंने कहा कि बिक्री की रफ्तार अच्छी है, लेकिन उससे भी ज्यादा खुशी इस बात की है कि लोगों ने इसे सांस्कृतिक रूप से अपनाया है। यह सिर्फ शुरुआत है और उनका लक्ष्य ऐसा ब्रांड बनाना है जो दुनिया भर में अपनी पहचान बनाए, लेकिन देश में अपनी मौलिकता और असली स्वरूप को बरकरार रखे। घरेलू बाजार में अच्छी पकड़ बनाने के साथ-साथ शेल्टर6 ने दुबई के लिए 7,080 यूनिट्स का अपना पहला निर्यात ऑर्डर भी हासिल कर लिया है। इसके अलावा अमेरिका और कनाडा में भी विस्तार की तैयारी चल रही है। जमीनी स्तर पर ब्रांड ने लोअर परेल के क्यूई और दोबारा, डोंबिवली के बारी और मलाड के फेलिया लाउंज में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। इसके साथ ही डीजे टिएस्तो और हिमेश रेशमिया के पुणे कॉन्सर्ट जैसे बड़े सांस्कृतिक आयोजनों में भी भाग लिया। मुंबई के खार स्थित मेंशनज में खास टेस्टिंग कार्यक्रम रखे गए, जिससे शेल्टर6 की प्रीमियम छवि और मजबूत हुई और इसकी वैश्विक पहचान के साथ भारतीय अंदाज को भी मजबूती मिली। इस सकारात्मक रुख को दोहराते हुए, लिविंग लिक्विड्ज एंड मेंशनज के संस्थापक और कार्टेल ब्रोज के सह-संस्थापक मोक्कश सानी ने कहा कि शेल्टर6 की शुरुआती सफलता ने उनका यह भरोसा और मजबूत किया है कि प्रीमियम स्पिरिट्स की ऐसी किस्मों की अच्छी मांग है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता को स्थानीय पसंद के साथ जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि खुदरा दुकानों में अच्छी बिक्री से लेकर हवाई अड्डों की ड्यूटी-फ्री दुकानों तक पहुंच बनाना इस बात का प्रमाण है कि ब्रांड ने तेजी और समझदारी से काम किया है। उनका मानना है कि शेल्टर6 आगे चलकर भारत को आधार बनाते हुए एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के रूप में उभरेगा।

नाबालिग से जबरन देह व्यापार करवाने की आरोपी दो महिलाओं सहित 4 गिरफ्तार

उधमसिंहनगर। नाबालिग से धंधा (अनैतिक देह व्यापार) कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने 2 महिलाओं सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार बीती 3 मार्च को शिकायतकर्ता ने कोतवाली आईटीआई पुलिस को तहरीर देकर बताया कि दिनांक 17 मई 2025 को उसकी नाबालिग पुत्री अचानक गायब हो गई थी, आज किसी अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें सूचना दी कि उनकी नाबालिग लड़की हरियावाला में जाहिद के मकान में हिंदू महिला के साथ रह रही है और उन लोगों ने उसे बंधक बना रखा है और वह उसे जबरदस्ती देह व्यापार करवा कर उसका गैंगरेप भी करते हैं। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंच कर नाबालिग को जाहिद, शिवम, शोभा ओर सोमा के कब्जे से बरामद कर वादी की तहरीर पर पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया। जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

उच्च शिक्षा में ग्लोबल सर्टिफिकेशन को बढ़ावा देगा एनएसडीसी का 'सेंटर फॉर फ्यूचर स्किल्स'

<u>क्राइम पेट्रोल संवाददाता</u>

देहरादून। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) अपने फ्लैगशिप सेंटर फॉर फ्यूचर स्किल्स (सीएफएस) पहल को बढ़ाकर भारत के उच्च शिक्षा और स्किलिंग इकोसिस्टम को मजबूत कर रहा है। यह एक कैंपस-बेस्ड, टेक्नोलॉजी-इंटीग्रेटेड मॉडल है जिसे एडवांस्ड टेक्निकल ट्रेनिंग, ग्लोबल सर्टिफिकेशन और हैंड्स-ऑन प्रोजेक्ट लर्निंग को सीधे मेनस्ट्रीम डिग्री प्रोग्राम में शामिल करने के लिए डिजाइन किया गया है। एक लंबे समय के लिए राष्ट्रीय इंटरवेंशन के तौर पर सोची गई इस पहल का उद्देश्य अगले दशक में एकेडमिक पाथवे को वैश्विक स्तर पर मानकीकृत उद्योग मानकों और उभरती टेक्नोलॉजी मांग के साथ संरेखित करके दस लाख स्टूडेंट्स पर असर डालना है।

सेंटर फॉर फ्यूचर स्किल्स मॉडल देश भर के कई संस्थानों में पहले ही शुरू हो चुका है और हर जगह पर प्रशिक्षण गतिविधियाँ सक्रिय रूप से चल रही हैं। इस पहल ने छात्रों को उनकी एकेडमिक यात्रा में शामिल उद्योग-संरेखित योग्यताओं से लैस करके ठोस प्रभाव डालना शुरू कर दिया है। इस पहल पर बात करते हुए एनएसडीसी के सीईओ अरुणकुमार पिल्लई ने कहा, सेंटर फॉर फ्यूचर स्किल्स एक स्ट्रक्चरल बदलाव का प्रतीक है जो अपने युवाओं को भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करता है। यह पहले से ही अपने 12 ऑपरेशनल संस्थानों और 43,000 से ज्यादा ट्रेंड उम्मीदवारों के साथ बड़े पैमाने पर असर दिखा रहा है। अगले तीन वर्षों में, हमारा लक्ष्य देश भर में 22 और सेन्टर जोड़ना है। डिग्री के भीतर ग्लोबल सर्टिफिकेशन और हैंड्स-ऑन लर्निंग के एकीकरण के साथ, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि स्नातक उद्योग के लिए तैयार और वैश्विक रूप से बेंचमार्क किए गए कार्यबल में प्रवेश करें। कोच्चि के फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में एक नए सेंटर का उद्घाटन, इस राष्ट्रीय रोलआउट में एक और कदम है, जो इंस्टीट्यूशनल ट्रांसफॉर्मेशन के बड़े विजन को मजबूत करता है।

सेंटर फॉर फ्यूचर स्किल्स एक ऑन-कैंपस हब के तौर पर काम करता है जो एकेडमिक क्रेडिट पाथवे, उद्योगों से मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेशन, एक्सपर्ट मेंटरशिप और स्टेट-ऑफ-द-आर्ट लैबोरेटरी इंफ्रास्ट्रक्चर को जोड़ता है।

छात्र अपनी डिग्री की अवधि बढ़ाए बिना विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेशन के साथ-साथ प्रति सेमेस्टर दो से तीन एकेडमिक क्रेडिट अर्जित करते हैं, जिससे विश्वविद्यालय योग्यता के साथ-साथ मान्य रोजगार योग्यता क्रेडेंशियल का दोहरा परिणाम मिलता है। यह मॉडल यह सुनिश्चित करता है कि संरचित स्किल पाथवे एकेडमिक सफर में ही शामिल हो गए हैं। अग्रणी वैश्विक टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ साझेदारी के माध्यम से, सीएफएस तेजी से बढ़ रहे डोमेन में 200 से ज्यादा सर्टिफिकेशन कार्यक्रमों तक पहुँच प्रदान करता है।

डीएम देहरादून सविन बंसल ने राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों पर राशन आपूर्तिकर्ता सेंट्रल गोदाम रुड़की में की छापेमारी

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल ने राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों पर राशन आपूर्तिकर्ता सेंट्रल गोदाम रुड़की में छापेमारी की। आंगनबाड़ी केंद्रों पर आपूर्ति हो रही सामग्री की खराब गुणवत्ता की शिकायत पर जिलाधिकारी ने यह कार्रवाई की। गोदाम में निरीक्षण के दौरान बाल श्रमिक मिले, डीएम ने गोदाम स्वामी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए।

खजूर एवं केले के चिप्स पर मैन्युफैक्चर एवं एक्सपायरी तिथि संदिग्ध पाई गई। गढ़वाल एवं कुमाऊँ में आंगनबाड़ी केंद्र पर सप्लाई होने वाले अंडा एवं सामग्री की गुणवत्ता भी संदिग्ध मिली। कई सामग्री पर मैन्युफैक्चर एवं एक्सपायरी तिथि का उल्लेख नहीं मिला। पैकेट पर छपी हुई मैन्युफैक्चर एवं एक्सपायर तिथि के स्थान पर स्टैंप वाली तिथि मिली। गोदाम का संचालन मानक के अनुरूप नहीं मिला, गोदाम में टेंपरेचर मेंटेन की कोई सुविधा नहीं है। दिसंबर व जनवरी के अंडे एवं अन्य खाद्य सामग्री मार्च माह में वितरित हो रही है। रजिस्टर अपडेट नहीं मिले, सामग्री आपूर्ति करता द्वारा निर्गत गुणवत्ता सर्टिफिकेट नहीं मिला। आंगनबाड़ी केंद्रों पर राशन आपूर्ति हेतु डिस्पैच हो रहे वाहनों को रुकवाकर डीएम ने सेंपलिंग करवाई। छापेमारी के दौरान उप जिलाधिकारी सदर हरी गिरी, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास जितेंद्र कुमार, तहसीलदार सुरेंद्र देव, कानूनगो रुड़की संजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

बहादराबाद कॉटन फैक्ट्री में आग लगने से मची अफरा तफरी

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

हरिद्वार। बहादराबाद के वर्धमान इंडस्ट्रियल एरिया की सिक्योर सर्जिकल कॉटन फैक्ट्री में भीषण आग लगने से अफरा तफरी मच गई। इस दौरान कंपनी में रखी कॉटन में लगी आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का कारण माना जा रहा है। लेकिन हादसे में फैक्ट्री में रखा लाखों का कॉटन जलकर राख हो गया। घटना की जांच की जा रही है।

गत दिन बहादराबाद स्थित वर्धमान इंडस्ट्रियल एरिया में संचालित सिक्योर सर्जिकल कॉटन फैक्ट्री में अचानक धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते फैक्ट्री के अंदर आग की लपटें भी दिखाई देने लगी। आग की लपटों के साथ काला धुआं उठता देख आसपास इलाके में अफरा तफरी मच गई। देखते ही देखते आग विकराल रूप लेने लगी। साथ ही आसपास की कंपनियों पर आग की चपेट में आने का खतरा बन गया। मौके पर मौजूद लोगों ने कंपनी में आग लगने की सूचना फायर विभाग को दी। सूचना मिलने पर पहुंची बहादराबाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। लेकिन आग इतनी विकराल थी कि काबू नहीं पाया जा सका। दो अन्य फायर यूनिट को मायापुर स्टेशन से मौके पर बुलाया गया। दीवार तोड़कर फायर ब्रिगेड की टीम ने पानी से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर फायर ब्रिगेड की टीम ने काबू पाया। गनीमत रही कि होली की छुट्टी के चलते फैक्ट्री में रोजाना की तरह ज्यादा कर्मचारी नहीं थे और वक्त रहते आग पर काबू पा लिया गया। अगर काबू नहीं पाया जाता तो, आसपास की अन्य फैक्ट्रियों में भी आग फैल सकती थी। फिलहाल इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई।

वरिष्ठ अग्निशमन अधिकारी (एसएफओ) बीरबल सिंह ने बताया कि कंपनी में आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और चार घंटे में आग को बुझाया गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है। प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी है। कंपनी में रखा कॉटन जलकर राक हो गया। बताया कि आग लगने के बाद कंपनी के कर्मचारी समय रहते सुरक्षित बाहर निकल गए थे। हादसे की जांच के साथ ही नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है।

महिला को पीटने पर क्षेत्र में तनाव, मामले की जांच शुरू

देहरादून। होली के अवसर पर कोतवाली नगर क्षेत्र के व्यस्त लक्ष्मण चौक इलाके में एक सब्जी और फल बेच रही महिला के साथ कथित तौर पर मारपीट की घटना सामने आई है, जिसके बाद आसपास के इलाके में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मौके पर अतिरिक्त बल तैनात किया है ताकि हालात नियंत्रण में बने रहें।

पीड़िता लक्ष्मी देवी सोनकर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपनी ठेली पर बैठी हुई थीं, जब एक किशोर (लगभग 16/17 वर्षीय) ने उनसे फल खरीदे। कुछ देर बाद वही युवक वापस लौटा और गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि उसने फल फेंके, थप्पड़ मारे और जान से मारने की धमकी दी। जब महिला ने विरोध किया तो युवक ने उन्हें धक्का देकर सड़क की ओर गिराने की कोशिश की और मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी युवक ने पहले भी उनकी मां के साथ इसी तरह की मारपीट की थी, लेकिन उस समय कोई कानूनी शिकायत नहीं दर्ज कराई गई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने सलीम निवासी शिव नगर कॉलोनी, कांवली रोड के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घटना के बाद इलाके में माहौल गर्म होने लगा, जिसके कारण सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल को तैनात करना पड़ा। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

हरिद्वार एवं देहरादून में "कंज्यूमर अवेयरनेस भारत यात्रा" के माध्यम से उपभोक्ताओं को किया गया जागरूक

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार में उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों, कर्तव्यों तथा गुणवत्तायुक्त एवं प्रमाणित उत्पादों के महत्व के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से "कंज्यूमर अवेयरनेस भारत यात्रा" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), देहरादून द्वारा जवाहर नेहरू राष्ट्रीय युवा केंद्र, हरिद्वार एवं सेतु फाउंडेशन के सहयोग से तथा कंज्यूमर कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में भारतीय मानक ब्यूरो, देहरादून के निदेशक एवं शाखा प्रमुख सौरभ तिवारी के निर्देशन में जवाहर नेहरू राष्ट्रीय युवा केंद्र हरिद्वार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संजय जैन उपाध्याय, श्री सिद्ध पीठ दक्षिण काली मंदिर, हरिद्वार उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में अनंत शर्मा, चेयरमैन, कंज्यूमर कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया, डॉ. एम. सेल्वराज, नेशनल वर्किंग प्रेसिडेंट; डॉ. आर.के. थिरु तथा जवाहर नेहरू राष्ट्रीय युवा केंद्र के अध्यक्ष पंडित पदम प्रकाश शर्मा ने कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रतिभागियों को उपभोक्ता अधिकारों, गुणवत्तायुक्त उत्पादों की पहचान, आईएसआई मार्क, हॉलमार्किंग तथा उपभोक्ता शिकायत निवारण तंत्र के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। वक्ताओं ने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे हमेशा प्रमाणित एवं मानकयुक्त उत्पादों का ही उपयोग करें, जिससे उनकी सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो, देहरादून की

मानक संवर्धन अधिकारी सरिता त्रिपाठी ने भी प्रतिभागियों को बीआईएस की विभिन्न गतिविधियों, उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रमों तथा BIS केयर ऐप के माध्यम से उपभोक्ता शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। हरिद्वार में कार्यक्रम के उपरांत "कंज्यूमर अवेयरनेस भारत यात्रा" देहरादून स्थित भारतीय मानक ब्यूरो के कार्यालय पहुँची, जहाँ कार्यालय के सभागार में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो, देहरादून के निदेशक एवं शाखा प्रमुख सौरभ तिवारी द्वारा कंज्यूमर कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया की पूरी टीम का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान अनंत शर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों को "कंज्यूमर अवेयरनेस भारत यात्रा" के उद्देश्य एवं उपभोक्ता सशक्तिकरण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा उपभोक्ताओं से जागरूक एवं जिम्मेदार उपभोक्ता बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों ने भाग लेकर उपभोक्ता जागरूकता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

17 लाख से अधिक लाभार्थियों ने उठाया आयुष्मान योजना का लाभ: डॉ. धन सिंह

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में आयुष्मान योजना के अंतर्गत अबतक 17 लाख से अधिक मरीजों का मुफ्त इलाज किया जा चुका है। जिस पर राज्य सरकार द्वारा 3300 करोड़ रूपये से अधिक की धनराशि खर्च की जा चुकी है। प्रधानमंत्री वय वंदना योजना के तहत राज्य में 25 हजार से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के कार्ड बनाये गये हैं। इस योजना के तहत 11000 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों ने मुफ्त उपचार का लाभ उठाया है।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि आम लोगों के स्वास्थ्य को लेकर राज्य सरकार संजीदा है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं की आसान उपलब्धता के कारण अधिक से अधिक लोग विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। यही वजह है कि राज्य में अबतक 17 लाख से अधिक मरीजों ने आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क उपचार कराया है, जिस पर सरकार ने 3300 करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च कर दी है। उन्होंने बताया कि अल्मोड़ा जनपद में 57862 लाभार्थियों ने योजना के तहत मुफ्त उपचार कराया। इसी प्रकार बागेश्वर में 25133, चमोली 66005, चम्पावत 33274, देहरादून 418295, हरिद्वार 321509, नैनीताल 159242, पौड़ी 130701, पिथौरागढ़ 58786, रूद्रप्रयाग 39989, टिहरी 99191, ऊधमसिंह नगर 281995 तथा उत्तरकाशी में 55882 लाभार्थियों ने निःशुल्क उपचार कराया। डॉ. रावत ने बताया कि

आयुष्मान योजना के अलावा राज्य व स्वायतशासी निकायों के कार्मिकों व पेंशनरों के लिये राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना संचालित की जा रही है। जिसके अंतर्गत 4 लाख से अधिक लाभार्थियों ने कैशलेस उपचार का लाभ उठाया है। जिसमें 1.73 लाख लोगों ने आईपीडी व 2.31 लाख लोगों ने ओपीडी की कैशलेस सुविधाएं ली। उन्होंने बताया कि इस सुविधा पर सरकार द्वारा 641 करोड़ की धनराशि खर्च की जा चुकी है।

विभागीय मंत्री ने बताया कि आयुष्मान योजना के तहत राज्य में 57 लाख जबकि एसजीएचएस के तहत 5 लाख से अधिक कार्ड बनाये जा चुके हैं। इसके अलावा 70 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के 25 हजार से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के वय वंदना योजना के तहत कार्ड बनाये गये हैं। जिसके तहत 11000 लाभार्थियों ने मुफ्त उपचार का फायदा उठाया है। उक्त योजना पर सरकार ने करीब 30 करोड़ से अधिक की धनराशि व्यय की है। डॉ. रावत ने कहा कि आयुष्मान योजना के सूचीबद्ध अस्पतालों में सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को भी निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। दुर्घटना में घायलों के उपचार के लिए 1.50 लाख रुपये तक की कैशलेस सुविधा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से दी जा रही है, जो पीड़ितों के लिए बड़ी राहत है।

गृहमंत्री के उत्तराखंड आगमन पर जनता में उत्साह, 1.5 लाख लोग होंगे कार्यक्रम में शामिल

देहरादून। भाजपा ने गृह मंत्री अमित शाह के उत्तराखंड आगमन और उनकी मौजूदगी मे होने वाले सम्मेलन के ऐतिहासिक एवं भव्य होने का दावा किया है। प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने कहा कि जन जन की सरकार, बेमिसाल 4 साल के इस कार्यक्रम को लेकर जनता में अभूतपूर्व उत्साह है और लगभग 1.5 लाख लोग इसमें शिरकत करेंगे। उन्होंने भीड़ जुटाने के कांग्रेसी आरोपों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके लिए हजार लोग एकत्र करना टेढी खीर है और वह भाजपा कार्यकर्ताओं की क्षमता से वाकिफ है, इसलिए उसकी चिंता जायज है।

चौहान ने कहा कि गृह मंत्री के हरिद्वार दौरे को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं जनसामान्य में अपार उत्साह का माहौल है। मौका भी बेहद खास है और जन जन की सरकार के 4 वर्ष पूरे होने का विशेष अवसर है। भाजपा की पिछली सरकारों और धामी सरकार के वर्तमान कार्यकाल में राज्य विकास के हाइवे पर तेजी से दौड़ रहा है। ढांचागत विकास और कनेक्टिविटी को लेकर पीएम मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा किए कार्यों का परिणाम पर्यटकों की रिकॉर्ड तोड़ संख्या और साल भर चलने वाली चार धाम यात्रा के रूप में देखा जा सकता है। प्रति व्यक्ति आय में शानदार वृद्धि, किसानों, मजदूरों के जीवनचर्या में सुधार और मातृ शक्ति सशक्तिकरण के कदमों ने हमे विकसित होते राज्यों की दौड़ में अग्रसर किया है। केंद्र के सहयोग से हम सबके स्वास्थ्य, हर घर में नल से जल, गरीब घरों की ईंधन और अनाज की चिंता को समाप्त कर रहे हैं। आज ऐसा माहौल बनाने में हमारी सरकार सफल हुई है कि 3.25 लाख करोड़ का निवेश के लिए उद्योगपति तैयार हैं। खनन जैसे माफियाओं से प्रभावित क्षेत्रों को भी हमने सुधारते हुए अब राज्य के लिए आय का बड़ा स्रोत बना दिया है। पहले एक भी परीक्षा बिना किसी नकल के करवाना असंभव सा होता था, लेकिन आज 28 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां निष्पक्ष और ईमानदारी से युवाओं को प्राप्त हुई है।

इससे पूर्व विपक्ष की सरकारों में कामक. ाज का रिपोर्ट कार्ड कभी भी जनता के सामने नहीं रखा गया, लेकिन भाजपा की सरकार में प्रत्येक साल अपने कामकाज का ब्यौरा सार्वजनिक किया जाता है। अभी इसी कड़ी में एक कदम और आगे बढ़ते हुए हमारी सरकार 2 महीने तक जन-जन की सरकार, जन जन के द्वार कार्यक्रम के तहत जनसमस्या निवारण के लिए न्याय पंचायत स्तर पर पहुंची। प्रदेश के लाखों लोगों को सरकार के इस कार्यक्रम से बहुत लाभ प्राप्त हुआ है और इन 4 सालों में भी उनके जीवन में आमूलचूल परिवर्तन आया है। यही वजह है कि देश के गृहमंत्री अमित शाह के ओजस्वी मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए भी रिकॉर्ड संख्या में लोग उत्सुक हैं।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री इस कार्यक्रम में नागरिकता समेत विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से रूबरू होंगे, उस पर उनकी लोकप्रियता और सरकार के शानदार 4 साल का अवसर होना इसे बेहद खास बनाता है। इसलिए जबरदस्ती, दबाव से भीड़ लाने की कोशिश की बात से लगता है कि कांग्रेस अपनी सरकार के दिनों को याद कर रही हैं। आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी है, उसके नेता दुनिया में सबसे लोक.

श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज ने संगत के साथ दी लंगर सेवा

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

देहरादून। आस्था, श्रद्धा और भक्ति के अद्भुत संगम के रूप में प्रसिद्ध श्री झण्डे जी मेला की तैयारियों के साथ ही श्री दरबार साहिब परिसर में आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण दिन-प्रतिदिन गहराता जा रहा है। गुरुवार को दरबार श्री गुरु राम राय जी महाराज के सज्जादे गद्दी नशीन श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज ने संगतों के साथ लंगर सेवा दी। होली पर्व के उपरांत श्री दरबार साहिब की रौनक और भी बढ़ गई है। देश-विदेश से आने वाली संगतों के आगमन से श्री दरबार साहिब परिसर भक्ति भाव से सराबोर होता जा रहा है। संगतों की बढ़ती संख्या के साथ ही मेले की चहल-पहल तेज हो गई है और पूरा वातावरण "श्री गुरु राम राय जी महाराज की जय जयकार" के जयकारों से गुंजायमान होने लगा है। श्री दरबार साहिब परिसर इन दिनों विशेष रूप से सजाया जा रहा है। मेला बाजार में दुकानों की साज-सज्जा को लेकर दुकानदारों के चेहरों पर उत्साह साफ झलक रहा है। मेले में लगने वाले विभिन्न आकर्षक झूले भी कारीगरों द्वारा अंतिम रूप से तैयार कर लिए गए हैं। कुल मिलाकर श्री झण्डे जी मेले की रौनकों में चार चांद लगने लगे हैं और पूरा परिसर भक्ति, उल्लास और उत्सव की भावना से सराबोर दिखाई दे रहा है।

देश के विभिन्न हिस्सों से, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखण्ड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान से श्रद्धालु गुरुवार देर शाम तक श्री दरबार साहिब पहुंचते रहे। मेला प्रबंधन समिति का अनुमान है कि पवित्र श्री झण्डे जी (पवित्र ध्वज दण्ड) के आध्यात्मिक दर्शन

के लिए लाखों की संख्या में संगत व श्रद्धालु श्री दरबार साहिब पहुंचेंगे। यह ऐतिहासिक और आस्था का महापर्व 26 मार्च 2026 को रामनवमी के पावन अवसर पर सम्पन्न होगा। गुरुवार को नियमित दैनिक पूजा-अर्चना के उपरांत दरबार श्री गुरु राम राय जी महाराज के सज्जादे गद्दीनशीन श्रीमहंत देवेंद्र दास जी महाराज ने संगतों को दर्शन दिए। इस अवसर पर श्री महाराज जी ने अपने संदेश में सभी राज्यवासियों एवं देशवासियों को श्री झण्डे जी मेले की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने श्री झण्डा जी मेला आयोजन समिति के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए मेले की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने पर बल दिया।

श्री झण्डा जी मेला आयोजन समिति द्वारा मेला तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। श्री दरबार साहिब के लंगर हॉल में संगतों के लिए लंगर प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई है। इस समय संगतों की सेवा के लिए तीन बड़े लंगर निरंतर चल रहे हैं, जहां दूर-दराज से आने वाली संगतों को प्रेमपूर्वक प्रसाद ग्रहण कराया जा रहा है। श्री झण्डा जी मेला आयोजन समिति के मेला अधिकारी विजय गुलाटी ने जानकारी देते हुए बताया कि मेला आयोजन स्थल पर सुरक्षा की दृष्टि से 42 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से पूरे क्षेत्र की निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ की टीम शुक्रवार से मेला अस्पताल में उपलब्ध रहेगी। अस्पताल की ओर से श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क दवाइयों की व्यवस्था भी की गई है। मेला स्थल पर चिकित्सा सुविधा को सुदृढ़ रखने के लिए दो एम्बुलेंस भी उपलब्ध रहेंगी। इसके अतिरिक्त मेला स्थल पर अग्नि सुरक्षा के दृष्टिकोण से 25 फायर एक्सटिंग्विशर लगाए गए हैं। श्री झण्डा जी मेला आयोजन समिति की ओर से 35 वर्दीधारी सुरक्षा गार्ड तथा लगभग 500 संगत स्वयंसेवक मेला व्यवस्था, अनुशासन व्यवस्था और संचालन कार्यों के लिए पूरी मुस्तैदी के साथ सेवारत रहेंगे, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसी क्रम में शुक्रवार दिनांक 6 मार्च 2026 को एक अत्यंत पावन और भावनात्मक धार्मिक परंपरा का निर्वहन किया जाएगा। एसजीआरआर पब्लिक स्कूल, बॉम्बे बाग से संगतें नए ध्वज दण्ड को अपने कंधों पर उठाकर श्री दरबार साहिब लेकर जाएंगी। इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक परंपरा को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इस पावन क्षण के साक्षी बनने के लिए देश-विदेश से संगतें पहले ही श्री दरबार साहिब पहुंच चुकी हैं।

श्रीमहंत देवेंद्र दास जी महाराज की अगुवाई में शुक्रवार सुबह 7:30 बजे संगतें एसजीआरआर पब्लिक स्कूल बॉम्बे बाग से नए ध्वज दण्ड को लेकर प्रस्थान करेंगी। संगतें पवित्र ध्वज दण्ड को अपने कंधों पर उठाए टीएचडीसी चौक, श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल, पटेल नगर के सामने से होते हुए लाल पुल चौक पहुंचेंगी और वहां से मातावाला बाग मार्ग से होते हुए अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ ध्वज दण्ड को श्री दरबार साहिब में पहुंचाएंगी। इस दौरान पूरा मार्ग " श्री गुरु राम राय जी महाराज की जय जयकार" के जयकारों से गूंज उठेगा और संगतों की भक्ति-भावना का अद्भुत दृश्य देखने को मिलेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक प्रवीन भारद्वाज द्वारा दून हाइट्स पब्लिकेशन, 12 किशनपुर राजपुर रोड, देहरादून से मुद्रित एवं 20 दिलाराम बाजार देहरादून, उत्तराखण्ड से प्रकाशित। क्राइम पेट्रोल सांध्य दैनिक, सम्पादक प्रवीन भारद्वाज मो. 9837625470, नोटः- समस्त विवादों का न्यायालय देहरादून क्षेत्र होगा।